वशि्व पर्यावरण दविस

प्रलिम्सि के लयि:

वशि्व पर्यावरण दविस, संयुक्त राष्ट्र सभा, स्टॉकहोम सम्मेलन, COP26, NAP, LiFE आंदोलन, NRLM.

मेन्स के लयि:

वशि्व पर्यावरण दविस, पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता और संबंधति पहल

चर्चा में क्यों?

जागरूकता के प्रसार और पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहति करने के लयि प्रत्येक वर्ष **5 जून को वशि्व पर्यावरण दविस** मनाया जाता है।

- भारत ने इस अवसर पर **'पर्यावरण के लयि जीवनशैली आंदोलन (Lifestyle for the Environment (LiFE) Movement)'** शुरू कयि।

वशि्व पर्यावरण दविस की मुख्य वशिेषताएँ:

- **परचिय:**
  - संयुक्त राष्ट्र सभा ने 1972 में वशि्व पर्यावरण दविस की स्थापना की, जो**मानव पर्यावरण पर स्टॉकहोम सम्मेलन का पहला दनि था।**
  - प्रत्येक वर्ष वशि्व पर्यावरण दविस का उत्सव एक **वशिष्टि वषिय और नारे के साथ** आयोजति कयिा जाता है जो उस समय की प्रमुख पर्यावरणीय चतिा को संदर्भति करता है।
  - यह **प्रत्येक वर्ष एक अलग देश द्वारा** आयोजति कयिा जाता है।
    - उदाहरण के लयि **भारत** ने **'बीट प्लास्टकि पॉल्यूशन'** थीम के तहत वशि्व पर्यावरण दविस के **45वें** उत्सव की मेज़बानी की।
  - पछिले साल वशि्व पर्यावरण दविस समारोह ने पारसि्थतिकिी तंत्र बहाली पर संयुक्त राष्ट्र दशक (2021-2030) की भी शुरुआत की, जो जंगलों से खेतों तक, पहाड़ों के शीर्ष से समुद्र की गहराई तक अरबों हेक्टेयर क्षेत्र को पुनर्जीवति करने के लयि एक वैश्वकि मशिन है।
- **2022 के लयि थीम:**
  - **केवल एक पृथ्वी (OnlyOneEarth):**
    - यह 1973 में **पहले वशि्व पर्यावरण दविस की थीम** को संदर्भति करता है।
- **महत्त्व:**
  - 2022 एक ऐतहिासकि मील का पत्थर है क्योंकयिह 1972 के स्टॉकहोम सम्मेलन के 50 साल पूरे कर रहा है।

पर्यावरण के लयि जीवन शैली (LiFE) आंदोलन'

- **परचिय:**.
  - LiFE का वचिार भारत द्वारा वर्ष 2021 में ग्लासगो में 26वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परविर्तन सम्मेलन (COP26) के दौरान प्रस्तुत कयिा गया था।
    - यह वचिार पर्यावरण के प्रतजािगरूक जीवन शैली को बढ़ावा देता है जो 'नासमझी और अपव्यय' के बजाय 'सचेत और जान-बूझकर उपयोग' के सदि्धांत पर केंद्रति है।
  - मशिन के शुभारंभ के साथ प्रचलति "उपयोग और नपिटान" अर्थव्यवस्था, बेतरतीब एवं वनिाशकारी उपभोग तथा प्रशासन को एक चक्रीय अर्थव्यवस्था द्वारा प्रतसि्थापति कयिा जाएगा, जसिे 'सचेत और स्व-खपत' द्वारा परभिाषति कयिा जाएगा।
- **उद्देश्य:**
  - आंदोलन का उद्देश्य सामूहकि कार्रवाई की शक्ति का उपयोग करना और पूरे वशि्व के व्यक्तयिों को अपने दैनकि जीवन में सरल जलवायु-अनुकूल कार्य करने के लयि प्रेरति करना है।

- यह जलवायु के आसपास के सामाजिक मानदंडों को प्रभावित करने के लिये सामाजिक नेटवर्क की शक्ति का लाभ उठाने का भी प्रयास करता है।
- मिशन की योजना व्यक्तियों का एक वैश्विक नेटवर्क बनाने और उसका पोषण करने की है, जिसका नाम **'प्रो-प्लैनेट पीपल'** (P3) है।
    - P3 की पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली को अपनाने और बढ़ावा देने के लिये एक साझा प्रतिबद्धता होगी।
    - P3 समुदाय के माध्यम से यह मिशन एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का प्रयास करता है जो पर्यावरण के अनुकूल व्यवहारों को आत्मकेंद्रित होने के लिये सुदृढ़ और सक्षम करेगा।

पर्यावरण संरक्षण के मामले में भारत:

- **वनावरण में वृद्धि:**
    - भारत का वन क्षेत्र का विस्तार हो रहा है और इसलिये शेरों, बाघों, तेंदुओं, हाथियों और गैंडों की आबादी बढ़ रही है।
        - कुल वन क्षेत्र वर्ष 2021 में कुल भौगोलिक क्षेत्र का 21.71% है, जबकि 2019 में 21.67% और 2017 में 21.54% था।
- **स्थापित विद्युत क्षमता:**
    - गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित स्रोतों से स्थापित विद्युत क्षमता के 40% तक पहुँचने की भारत की प्रतिबद्धता निर्धारित समय से 9 साल पहले हासिल कर ली गई है।
- **इथेनॉल ब्लेंडिंग लक्ष्य:**
    - पेट्रोल में **10% एथेनॉल सम्मिश्रण** का लक्ष्य नवंबर 2022 के लक्ष्य से 5 महीने पूर्व ही प्राप्त किया जा चुका है।
    - यह एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि 2013-14 में सम्मिश्रण मुश्किल से 1.5% और 2019-20 में 5% था।
- **अक्षय ऊर्जा लक्ष्य:**
    - भारत सरकार भी **अक्षय ऊर्जा** पर बहुत अधिक ध्यान दे रही है।
    - 30 नवंबर, 2021 को देश की स्थापित **अक्षय ऊर्जा (RE)** क्षमता 150.54 गीगावाट (सौर: 48.55 गीगावाट, पवन: 40.03 गीगावाट, लघु जलविद्युत: 4.83, जैव-शक्ति: 10.62, बड़ी हाइड्रो: 46.51 गीगावाट) है, जबकि इसकी परमाणु ऊर्जा आधारित स्थापित बिजली क्षमता 6.78 गीगावाट है।
        - भारत **विश्व की चौथी सबसे बड़ी पवन ऊर्जा क्षमता** से युक्त देश है।

अन्य पहलें:

- **राष्ट्रीय वनीकरण कार्यक्रम:** यह वनों के आसपास के अवक्रमित वनों के पुनर्वास और वनरोपण पर केंद्रित है।
- **हरित भारत के लिये राष्ट्रीय मिशन:** यह **जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्ययोजना** (National Action Plan on Climate Change) के अंतर्गत है और इसका उद्देश्य जलवायु अनुकूलन एवं शमन रणनीति के रूप में वृक्षों के आवरण में सुधार तथा वृद्धि करना है।
- **राष्ट्रीय जैवविविधता कार्य योजना:** इसे प्राकृतिक आवासों के क्षरण, विखंडन और नुकसान की दरों में कमी के लिये नीतियों को लागू करने हेतु शुरू किया गया है।
- **ग्रामीण आजीविका योजनाएँ:** ग्रामीण आजीविका से आंतरिक रूप से जुड़े प्राकृतिक संसाधनों की मान्यता **महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना** (मनरेगा) और **राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन** (NRLM) जैसी प्रमुख योजनाओं में भी परिलक्षित होती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-environment-day-4